

## एंटनी

मैं इस नाम को चीर-फाड़ कर समझना चाहता था, पर मेरे पास बस उन लोगों की यादें बची हैं जिन्हें मैंने जाना, प्यार किया, साथ जिया, और कुछ को तो मैंने एक बेहतर जगह भी भेज दिया। और शरीर-रचना के लिए डिग्री, प्रमाणपत्र, विशेषज्ञता चाहिए — बहुत जौ।

मुझे हाथों से भुना मुर्गा खाना पसंद है और हाथ धोते ही मेज़ से उठ जाना, ताकि उसकी बू साथ न लिए फिरे।

पहली “अंतोनियो” — स्त्रीलिंग में — एक रोमन स्त्री थी, बड़ी उम्र की, पैनी, उस गर्मी की रात वाले आत्मविश्वास के साथ जो तब होता है जब समुद्र गर्म हो, और रेत को अभी दिन याद हो। उसने मुझे तट पर अकेला पाया, पानी को उस तरह घूरते हुए जैसे कोई अपने बारे में कुछ समझने की कोशिश करता है, यह जाने बिना कि वह क्या है।

उसने मुझसे एक सवाल पूछा — सीधा, सरल — उस तरह का जो बड़े लोग तब इस्तेमाल करते हैं जब वे देखना चाहते हैं तुम किस मिट्टी के बने हो। मैंने उस वक्त की अपनी अकेली हिम्मत से जवाब दिया: “सेफ़ सेक्स।” इसलिए नहीं कि इसका कोई मतलब था, बल्कि इसलिए कि यही अकेला जुमला इतना बड़ों-सा लगता था कि मुझे छोटा महसूस होने से बचा सके।

वह जोर से हंस पड़ी, मेरा हाथ पकड़ा, और मुझे मेरी माँकेपास वापस ले गई, जो मुझे देखते ही फट पड़ी: “इसने इस बार फिर क्या कर डाला?”

“कुछ नहीं,” उस स्त्री ने कहा। “यह बड़ा बनना चाहता था और कुछ ज्यादा ही बन गया।” और वह चली गई। मेरी माँ एक बार मेरी दोस्त बनने की कोशिश में, मुझे यह बताने के लिए फुसलाने के करीब आई कि क्या हुआ — यह भूलते हुए कि वही थी जिसने मुझे इस दुनिया में लाया था, और इससे उसे मेरे विचारों तक कोई ख़ास पहुँच नहीं मिलती।

“कुछ ख़ास नहीं,” मैंने उससे कहा। “उसकी कार की चाबियाँ गिर गईं वह उन्हें उठाने झुकी, और उसने अंदरूनी वस्त्र नहीं पहना था — वह भी भूल गई थी। और मैंने उससे पूछा कि क्या वह आम तौर पर काला पहनती है, और वह लाल हो गई।”

“और तुमने क्या किया?” उसने पूछा। “तुमने कैसी प्रतिक्रिया दी? तुम कैसा बर्ताव किया?”

मैंने वही किया जो पापा हमेशा करते हैं जब तुम उन्हें गुस्सा दिलाते हो। मैं मुस्कुराया, अलविदा कहा, और चला गया।

नान्दी

*Ferdinando Frega — gillettenarrative.com*